भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 236

जिसका उत्तर 08दिसंबर, 2022 को दिया जाना है।

.....

गतिशील भूजल संसाधन आकलन रिपोर्ट

236. श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री भोला सिंह:
डॉ. सुकांत मजूमदार:
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने देश के गतिशील भूजल संसाधनों की आकलन रिपोर्ट-2022 जारी की है;

(ख) यदि हां, तो रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्षों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस आकलन रिपोर्ट में देश में भूजल पुनर्भरण में वृद्धि की सूचना दी गई है;

(घ) यदि हां, तो क्या विश्लेषण में भूजल की स्थिति में 2017 के आकलन डेटा की तुलना में सुधार का संकेत है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) देश में अतिदोहित जल क्षेत्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(छ) देश में पानी की उपलब्धता में सुधार के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से अन्य कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टूडू)

(क): जी हां।

(ख): केन्द्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ सहभागिता में आवधिक तौर पर देश का गतिशील भूजल संसाधन आकलन किया जाता है। वर्ष 2022 के आकलन के अनुसार, कुल वार्षिक भूजल पुनःभरण, वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूजल संसाधन, वार्षिक भूजल निष्कर्षण (सभी उपयोगों हेतु) क्रमशः 437.60 बिलियन क्यूबिक

मीटर (बीएमसी), 398.08 बीसीएम और 239.16 बीएमसी हैं। पूरे देश के लिए भूजल निष्कर्षण चरण, जोकि निष्कर्षण योग्य वार्षिक भूजल संसाधन पर सभी उपयोगों (सिंचाई, औद्योगिक एवं घरेलू उपयोग) हेतु वार्षिक भूजल का एक माप है, 60.08% है।
इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022 के आकलन के अनुसार, देश में कुल 7089 आकलन यूनिटों में से, 1006 यूनिट (14%) को 'अति-दोहित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है - जहां निष्कर्षित वार्षिक भूजल निष्कर्षण योग्य वार्षिक भूजल से अधिक हैं।
http://cgwb.gov.in/documents/2022-11-11-GWRA%202022.pdf पर विस्तृत रिपोर्ट देखी जा सकती है।

(ग): जी, हां।

(घ) और (ङ): जी हां। वर्ष 2022 के आकलन के अनुसार देश का कुल वार्षिक भूजल पुनःभरण 437.6 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है, जोकि वर्ष 2017 के आकलन (431.86 बीसीएम) की तुलना में 5.74 बीसीएम अधिक है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022 के आकलन में वार्षिक भूजल निष्कर्षण 239.16 बीसीएम आंका गया है जोकि वर्ष 2017 के आकलन (248.69 बीसीएम) की तुलना में लगभग 9.53 बीसीएम कम है। पूरे देश का औसत 'निष्कर्षण का चरण' 60.08% निकलता है जोकि वर्ष 2017 (63.33%) के तुलना में 3.25% कम है। एक विस्तृत विश्लेषण में देश में वर्ष 2017 के आकलन की तुलना में 909 आकलन यूनिट के भूजल स्थितियों में सुधार दर्शाया गया है।

(च): वर्ष 2022 के आकलन के अनुसार देश में अति-दोहित मूल्यांकन इकाइयों का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(छ): जल राज्य का विषय है, देश में बेहतर जल उपलब्धता हेतु वर्षा जल संचयन/जल संरक्षण राज्य के अधिदेश में आता है, फिर भी, केन्द्र सरकार ने इस संबंध में कई कदम उठाए है जिसे वेब-लिंक *http://jalshakti-dowr.gov.in/sites/default/files/Steps%20taken%20by%20the%20Central%20Govt%20for%20water_depletion_july2022.pdf* पर देखा जा सकता है।
इसके अलावा, केन्द्र सरकार जल शक्ति अभियान (जेएसए), अटल भूजल योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - वॉटरशेड विकास इत्यादि जैसे विभिन्न पहलों/योजनाओं के माध्यम से राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों की सहभागिता से सतत भूजल प्रबंधन के लिए राज्यों / केन्द्र संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों के पोषण हेतु काम करती है। वर्ष 2019 में जल शक्ति अभियान (जेएसए) को, कृत्रिम पुनःभरण संरचनाओं, वॉटरशेड प्रबंधन, पुनःभरण और

पुनःउपयोग संरचनाओं के निर्माण सघन वनीकरण और जागरुकता फैलाना इत्यादि के माध्यम से, मानसून वर्षापात के प्रभावशाली संचयन के प्राथमिक उद्देश्य के साथ आरंभ किया गया था। जल शक्ति अभियान वर्ष 2021 और 2022 में जारी रहा जिसको क्रमशः भारत के माननीय प्रधानमंत्री और माननीय राष्ट्रपति द्वारा शुरू किया गया था।

इसके अतिरिक्त, माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 24 अप्रैल, 2022 को अमृत सरोवर का शुभारंभ किया है। इस मिशन का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में देश के प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों का विकास और संरक्षण करना है।

*****

अनुलग्नक

"गतिशील भूजल संसाधन आंकलन रिपोर्ट" के संबंध में लोक सभा में दिनांक 08.12.2022 को अतारांकित प्रश्न संख्या 236 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्रं.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कुल आंकलित इकाइयों की संख्या	अति-शोषित मूल्यांकन इकाइयां	
	राज्य		संख्या	प्रतिशत
1	आंध्र प्रदेश	667	6	0.9
2	अरुणाचल प्रदेश	11		
3	असम	28		
4	बिहार	535	8	1.50
5	छत्तीसगढ़	146		
6	दिल्ली	34	15	44.12
7	गोवा	12		
8	गुजरात	252	23	9.13
9	हरियाणा	143	88	61.54
10	हिमाचल प्रदेश	10		
11	झारखंड	263	5	1.90
12	कर्नाटक	234	49	20.94
13	केरल	152		
14	मध्य प्रदेश	317	26	8.20
15	महाराष्ट्र	353	11	3.12
16	मणिपुर	9		
17	मेघालय	12		
18	मिजोरम	26		
19	नागालैंड	11		
20	ओडिशा	314		
21	पंजाब	153	117	76.47
22	राजस्थान	302	219	72.52
23	सिक्किम	6		
24	तमिलनाडु	1166	360	30.87
25	तेलंगाना	594	13	2.20
26	त्रिपुरा	59		
27	उत्तर प्रदेश	836	63	7.54
28	उत्तराखंड	18		
29	पश्चिम बंगाल	345		
30	अंडमान और निकोबार	36		
31	चंडीगढ़	1		

32	दादरा और नगर हवेली	1	1	100.00
	दमन और दीव	2	2	100.00
33	जम्मू और कश्मीर	20		
34	लद्दाख	8		
35	लक्षद्वीप	9		
36	पुदुचेरी	4		
	कुल योग	**7089**	**1006**	**14.19**

नोट-

ब्लॉक- बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल

तालुक- गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र

मंडल- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना

जिला- अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, जम्मू और कश्मीर

घाटी- हिमाचल प्रदेश, लद्दाख

द्वीप समूह- अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप

फिरका- तमिलनाडु

क्षेत्र- पुदुचेरी

संघ राज्य क्षेत्र- चंडीगढ़

तहसील- दिल्ली

*****